इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण अनिवार्य

- एआइसीटीई ने उद्यमिता को बढ़ावा देने व पढ़ाई के बाद सीधे प्लेसमेंट देने को बनाया आधुनिक पाठ्यक्रम
- इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राओं को द्वितीय, चतुर्थ, छठे और आठवें सेमेस्टर में लेना होगा अनिवार्य प्रशिक्षण
- वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने चालू सत्र से लागू की यह नई व्यवस्था

एआइसीटीई के माडल करिकुलम में औद्योगिक प्रशिक्षण (इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग) अनिवार्य है। उत्तराखंड के सभी इंजीनियरिंग कालेजों को दूसरे, चौथे, छठे व आठवें सेमेस्टर में यह ट्रेनिंग अनिवार्य रूप से करवाने को लेकर निर्देशित किया जा चुका है। औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए उत्तराखंड के उद्योग एसोसिएशन के साथ पूर्व में यूटीयू का एमओयू हो चुका है।

ओंकार सिंह, कुलपति, यूटीयू

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान छात्र-छात्राओं ने यदि औद्योगिक प्रशिक्षण ले लिया तो वह पास आउट होकर करियर बनाने को आवेदन करते हैं तो उद्योगों में इन दक्ष युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। उत्तराखंड के सेलाकुई, हरिद्वार, सितारंगज, काशीपुर आदि औद्योगिक क्षेत्र में आइटी सेक्टर के उद्योगों में इन युवाओं की अच्छी डिमांड है। यह उत्तराखंड के युवाओं के लिए खुशी की बात है।

विजय तोमर, प्रांत महामंत्री, लघु उद्योग भारती उत्तराखंड

नवाचार पर सम्मानित होंगे छात्र

छात्र-छात्राएं यदि पढ़ाई के दौरान नवाचार को आगे बढ़ाने में रुचि लेते हैं तो विश्वकर्मा अवार्ड, स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए क्लीन, ग्रीन एंड स्मार्ट कैंपस अवार्ड, स्टार्टअप अवार्ड भी दिए जाने की योजना है।

शिक्षकों को भी एफटीपी अनिवार्य

एआइसीटीई ने इंजीनियरिंग कालेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों के लिए छह महीने का एफटीपी (फैकल्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम) अनिवार्य कर दिया है। इसके बिना नए शिक्षकों का कन्फर्मेशन नहीं होगा। पहले से पढ़ा रहे शिक्षकों को भी यह करना होगा। इसके लिए उन्हें पांच साल का समय दिया जाएगा।

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड के सभी इंजीनियरिंग कालेजों के छात्र-छात्राओं को चारों साल अनिवार्य रूप से औद्योगिक प्रशिक्षण लेना होगा। एआइसीटीई (आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन) ने उद्यमिता को बढ़ावा देने व पढ़ाई के बाद सीधे प्लेसमेंट का मौका देने को आधुनिक पाठ्यक्रम (करिकुलम) बनाया है। इस व्यवस्था को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने चालू सत्र से लागू कर दिया है। इंजीनियरिंग के छात्रों को द्वितीय, चतुर्थ, छठे और आठवें सेमेस्टर में अनिवार्य रूप से यह प्रशिक्षण लेना होगा। यूटीयू ने दूसरे सेमेस्टर से प्रशिक्षण की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बता दें कि एआइसीटीई के आधुनिक करिकुलम में इंजीनियरिंग छात्रों के प्रयोगात्मक कौशल विकास पर ज्यादा जोर दिया गया है और औद्योगिक प्रशिक्षण को अनिवार्य कर दिया गया है। नई व्यवस्था में थ्योरी पेपर के क्रेडिट को 200 से घटाकर 160 कर दिया गया है, जिसमें 14 क्रेडिट समर इंटर्नशिप के भी होंगे। इसके तहत छात्रों को उद्योगों में दो से तीन महीने की प्रयोगात्मक प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण में छात्र नौकरी के लिए नए कौशल सीखेंगे।